s ou ville

Miscellaneous

February, 10,1950

No. 1115 xiv - 331 + 50 - whereas the governor litear Pradesh is of the epinion that the making of inquiry and record contemplated under sub-section (3) of section 29 of the Indian Fraction (Act No. xvi of 1927) will because y such length of time as is the mean time to and anger the rights of State government (Vow therefore in exercise of the power confessed by section Bo—A of the aforesaid sub-section BO, and by sub-section (i) The said section, read with pending such inquiry and record The provisions of chapter W of the said Act to be applicable to the lands specified in the schedule here to

Scheduled Protected forest

aeuc	35 F 5 + 370	चें≅ का सम	प्रोटेयटेड फारेस्ट भीत त0 सं कहा सं			के अन्तर्गत घाषित निक्त नठ तक किहा तक			सीना यत दर्जन
- 1 -	1 2		माल	मिलारा	मगेट	Aller	फलांग	HATE	
	14	3	4	5	- 6	7	8	9	
		N.H.G.T. Road (सुरत नर्ज)	543		1 0	592	0	0	10 संख्यान सड़क से सीमा अध्यर के दानों सरफ जाउनित
त≜ <i>डपूर</i>	P.	P.B.S. Road (प्रतिहरू-चीदा-सागर मार्च)	1	0	0	23	0	0	विमान हामा रामाध्ये गाँव स्ताता सङ सीमाद्यत्व सम्बद्धाः संस्थान स्वाप्ताः स्वाप्तां स्वाप्ताः
4	3	A.P.F. Road (आनरा पुञ्चाका फटेडपुंच नुमसासराव)	175	0	0	19,1	1 0	()	[किन] द्वारा लगाय गये स्टम्म दुख साम्बन्धन
1	4	B.S. Road (विश्वामी-वर्ताकर मूर्ग)			, û		0	i)	भावक में भीमा सन्तर के दोगों तरक संग्रानित विकार द्वारा भागते गये साम्य तहा सामाहत्त्व
	5	F.R.S. Road जन्मपुर राज्यवेती गुन्तानपुर सेंड }		0	0	13	J	0	जड़का से नीमा पट्यर के दोनों तथ्य साठनिठ किया हास करादे नये स्तब्ध दक सीनोका
	1.00	विकासपुर किटला सेट		*/ */			0	0	पंज्या से सीमा प्राथर के बागों तरफ साटमिट दिमरा बासा लगाये गये स्तम्भ स्म सीमांग्रह
	1	3.U-Road			0 =	20-		7	कुछन से सीमा सञ्जर के डोमों नरक राग्यरित वेतर/छान्न लगाये गये स्तान्त तक सीमोळन
-		म्बर्का -लकोली संबद्ध रागा नीवरता सेव		7.	- 1			111	तक्य से सीमा पांचर के दोनों तस्य मार नेर देनन तस लगाये गय साम सक
-	1	T Company				-10		- <i>u</i> /	चीलीकर इंड से जीना प्रधार के टीमी बन्नम पर के
	2 15	निह्युर बिहुए स्ट्र	1	0	0	2	0	W ;	भग द्वारा समाप्रे स्थ स्तम्भ तक भीनीयम ७८० में सीमा सहस्र हा इसा भरत बाराबेट
- {	10 [57	शतास्य बाह्य चला	71		n i	2	0	9 1	नग् द्वान प्रशास हो। स्थाप तथा जीवाजन देवा हो कील ब्रांश है होना करण प्रशास

C.S.

यमानिक शरिको उन एवं वन्त्रजीत प्रमाग

By Order (R.K. Fith AR)